|  |
| --- |
|  |

|  |
| --- |
| प्रेस नोट  2019-20 की प्रथम तिमाही  (अप्रैल- जून) के  सकल घरेलू उत्‍पाद  अनुमान  केन्‍द्रीय सांख्‍यिकीय कार्यालय  सांख्‍यिकी और कार्यक्रम कार्यान्‍वयन मंत्रालय  भारत सरकार |

**भारत सरकार**

**सांख्‍यिकी और कार्यक्रम कार्यान्‍वयन मंत्रालय**

दिनांक: 30 अगस्‍त, 2019

8 भाद्रपद, 1941 शक

**प्रेस नोट**

**2019-20 की प्रथम तिमाही (अप्रैल-जून) के**

**सकल घरेलू उत्‍पाद अनुमान**

राष्‍ट्रीय सांख्‍यिकीय कार्यालय (एनएसओ), सांख्‍यिकी और कार्यक्रम कार्यान्‍वयन मंत्रालय ने वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) क्‍यू 1 के लिए स्‍थिर (2011-12) मूल्यों तथा वर्तमान मूल्‍यों, दोनों पर सकल घरेलू उत्‍पाद (जीडीपी) के अनुमान और साथ ही जीडीपी के व्‍यय घटकों के तदनुरूपी तिमाही अनुमान जारी किए हैं ।

2. वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 के लिए जीडीपी के अनुमानों का विवरण नीचे दिया गया है:

**I (क) स्‍थिर (2011-12) मूल्‍यों पर अनुमान**

3. वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 में स्‍थिर (2011-12) मूल्यों पर जीडीपी 35.85 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जबकि वर्ष 2018-19 की क्‍यू 1 में जीडीपी 34.14 लाख करोड़ रुपए आंकी गई थी जो 5.0 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है । वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 हेतु स्‍थिर (2011-12) मूल्यों पर, बुनियादी मूल्‍य पर तिमाही जीवीए 33.48 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है जबकि 2018-19 की क्‍यू 1 में यह 31.90 लाख करोड़ रुपए आंकी गई थी, जो पिछले वर्ष की तद्नुरूपी तिमाही की तुलना में 4.9 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है ।

4. वर्ष 2018-19 की क्यू 1 की तुलना में वर्ष 2019-20 की क्यू 1 में जिन आर्थिक कार्यकलापों में 7 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है उनमें ‘व्यापार, होटल, परिवहन संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाएं’, ‘लोक प्रशासन, रक्षा और अन्‍य सेवाएं, विद्युत, गैस, जलापूर्ति तथा अन्‍य उपयोगी सेवाएं’ हैं । इस अवधि के दौरान ‘कृषि, वानिकी तथा मत्‍स्‍य’, ‘खनन तथा उत्‍खनन’ 'विनिर्माण' ‘निर्माण तथा ‘वित्‍तीय, बीमा, रिएल एस्‍टेट और व्‍यावसायिक सेवाएं’ में क्रमश: 2.0 प्रतिशत, 2.7 प्रतिशत, 0.6 प्रतिशत, 5.7 प्रतिशत और 5.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है ।

5. **उधोग विश्‍लेषण**

प्रथम तिमाही अनुमान कृषि, सहकारिता तथा किसान कल्‍याण विभाग से प्राप्‍त 2018-19 (जो जून 2019 में समाप्‍त हुआ है) के रबी मौसम के दौरान कृषि उत्‍पादन पर आधारित है, पशुधन क्षेत्र के लिए, उत्‍पादन के अनुमान प्रमुखतया दूध, अण्‍डा, मांस तथा ऊन के उत्‍पादन लक्ष्‍य के रूप में पशुपालन तथा डेयरी विभाग से तथा मछली उत्‍पादन के आंकड़े मत्‍स्‍यन विभाग से लिए गए हैं ।

अप्रैल-जून 2019-20 की अवधि के लिए लेखा महानियंत्रक (सीजीए) द्वारा रखे गए संघ सरकार के व्‍यय के मासिक लेखा तथा भारत के नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक द्वारा (सीएजी) रखे गए राज्‍य सरकार के व्‍यय मासिक लेखा का उपयोग औद्योगिक उत्‍पादन सूचकांक (आईआईपी) मेंकिया गया है । 1 जुलाई 2017 के वस्‍तु तथा सेवा कर (जीएसटी) की शुरूआत तथा उसके बाद कर ढांचे में परिवर्तन के साथ जीडीपी संग्रह के लिए प्रयुक्‍त कुल कर राजस्‍व में गैर जीएसटी राजस्‍व तथा जीएसटी राजस्‍व शामिल है । अनुमानों का संकलन करते समय, अप्रैल-जून 2019-20 की अवधि के दौरान रेलवे, सड़क, वायु व जल परिवहन आदि सहित परिवहन; संचार, बैंकिंग और बीमा जैसे प्रमुख क्षेत्रों के निष्‍पादनों को ध्‍यान में रखा गया है । बीएसई/एनएसई से प्राप्‍त आंकड़ों पर आधारित अप्रैल-जून 2019-20 के दौरान कार्पोरेट सेक्टर के निष्‍पादन को भी ध्‍यान में रखा गया है ।

***कृषि, वानिकी और मछली पालन’***

5.1 ‘कृषि, वानिकी और मछली पालन’ सेक्‍टर से वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 में बुनियादी मूल्‍यों पर तिमाही सकल मूल्‍य वर्धन वर्ष 2018-19 की क्‍यू 1 की 5.1 प्रतिशत की तुलना में 2.0 प्रतिशत तक बढ़ा। 'कृषि, वानिकी और मछली पालन' के क्षेत्र में फलों व सब्‍जियों सहित फसल का जीवीए में हिस्‍सा लगभग 53 प्रतिशत, पशुधन उत्‍पादों का 32.0 प्रतिशत तथा वानिकी और मत्स्यन का 15 प्रतिशत है l

***खनन और उत्‍खनन***

5.2 ‘खनन और उत्‍खनन’ सेक्‍टर से वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 के लिए बुनियादी मूल्‍यों पर तिमाही सकल मूल्‍य वर्धन वर्ष 2018-19 की क्‍यू 1 में हुई 0.4 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 2.7 प्रतिशत तक बढ़ी। ‘खनन सेक्‍टर नामत: कोयला, अपरिष्‍कृत तेल और प्राकृतिक गैस उत्‍पादन तथा आईआईपी खनन के मुख्‍य संकेतकों में वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 में क्रमश: 2.7 प्रतिशत, (-)6.8 प्रतिशत, (-)0.5 प्रतिशत तथा 3.0 प्रतिशत की वृद्धि दरें दर्ज की गई हैं जबकि वर्ष 2018-19 की पहली तिमाही में यह क्रमश: 12.9 प्रतिशत, (-)2.4 प्रतिशत, 0.1 प्रतिशत तथा 5.4 प्रतिशत रही ।

***विनिर्माण***

5.3 ‘विनिर्माण’ सेक्‍टर में वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 में बुनियादी मूल्‍यों पर तिमाही सकल मूल्‍य वर्धन वर्ष 2018-19 की क्‍यू 1 के 12.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि रही । संगठित क्षेत्र की वृद्धि (जिसकी विनिर्माण सेक्‍टर में 75% से अधिक की हिस्‍सेदारी है) का आकलन बीएसई तथा एनएसई में सूचीबद्ध कम्‍पनियों के उपलब्‍ध आंकड़ों के आधार पर किया गया था । अर्ध कॉर्पोरेट और असंगठित खंड (जिसका विनिर्माण के क्षेत्र में 20 प्रतिशत से अधिक की हिस्‍सेदारी है) के अनुमान विनिर्माण के आईआईपी का उपयोग करके लगाया गया है । आईआईपी विनिर्माण में वर्ष 2018-19 की क्‍यू 1 के 5.1 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 के दौरान 3.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई ।

***विद्युत, गैस, जलापूर्ति और अन्‍य उपयोगी सेवाएं***

5.4 ‘विद्युत , गैस, जलापूर्ति और अन्‍य उपयोगी सेवाओं' में वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 हेतु बुनियादी मूल्‍यों पर तिमाही जीवीए वर्ष 2018-19 की क्‍यू 1 के 6.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 8.6 प्रतिशत तक वृद्धि हुई । इस सेक्‍टर के मुख्‍य संकेतक नामत: विद्युत की आईआईपी में वर्ष 2018-19 की क्‍यू 1 में 4.9 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई ।

***निर्माण***

5.5 वर्ष 2019-20 में विनिर्माण क्षेत्र में बुनियादी मूल्‍यों पर तिमाही सकल मूल्‍य वर्धन, 2018-19 की क्‍यू 1 के 9.6 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में, 5.7 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई । निर्माण क्षेत्र के मुख्‍य संकेतकों नामत: सीमेंट का उत्‍पादन तथा तैयार स्‍टील की खपत तथा गैर-धातु खनिज के आईआईपी में वर्ष 2018-19 की क्‍यू 1 में क्रमश: 16.3 प्रतिशत, 9.2 प्रतिशत तथा 12.3 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 में क्रमश: 1.2 प्रतिशत, 6.8 प्रतिशत तथा (-)1.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई ।

***व्‍यापार, होटल, परिवहन एवं संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं***

5.6 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्‍यों पर तिमाही सकल मूल्‍य वर्धन 2018-19 की क्‍यू 1 के 7.8 प्रतिशत वृद्धि की तुलना में वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 में 7.1 प्रतिशत वृद्धि हुई । व्‍यापार क्षेत्र में जीवीए अनुमान लगाने के लिए प्रयुक्‍त किए गए प्रमुख संकेतक बिक्री कर में वृद्धि है । जीएसटी शुरूआत के साथ, बिक्री कर को अब जीएसटी में शामिल कर लिया गया है । अत: बिक्री कर पर आधारित कारोबार के तुलनीय अनुमानों का आकलन कर लिया गया है । आकलन की विधि 30 नवम्‍बर 2017 को जारी 2017-18 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्‍बर) के लिए जीडीपी के अनुमानों संबंधी प्रेस नोट के अनुलग्‍नक में स्‍पष्‍ट किए अनुसार है । होटल तथा रेस्टोरेंट क्षेत्र में जीवीए मापने के लिए प्रयुक्‍त किए गए संकेतक इस क्षेत्र में निजी कॉरपोरेट वृद्धि है । अन्‍य सेवा क्षेत्रों में, रेलवे के प्रमुख संकेतकों नामत: निवल टन किलोमीटर तथा यात्री किलोमीटर में वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 में वृद्धि दर क्रमश: 0.9 प्रतिशत तथा (-)0.5 प्रतिशत की देखी गई । अन्‍य परिवहन क्षेत्रों के मामले में, वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 में नागर विमानन द्वारा संचालित यात्री, नागर विमानन द्वारा ढोए गए माल तथा प्रमुख बंदरगाहों पर माल ढुलाई में क्रमश: (-)0.6 प्रतिशत, (-)6.6 प्रतिशत तथा 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दरें दर्ज की । वाणिज्‍यिक वाहनों की बिक्री ने 2019-20 की क्‍यू 1 के दौरान (-)9.5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई ।

***वित्‍तीय, बीमा, रीयल एस्‍टेट तथा व्‍यावसायिक सेवाएं***

5.7 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्‍यों पर तिमाही सकल मूल्‍य वर्धन 2018-19 की क्‍यू 1 के 6.5 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वर्ष 2019-20 के क्‍यू 1 में 5.9 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है । इस उद्योग के प्रमुख घटक रिएल एस्‍टेट और व्‍यावसायिक सेवाएं हैं, जिसका हिस्‍सा 75.5 प्रतिशत है । इस क्षेत्र के प्रमुख संकेतक रिएल एस्‍टेट के लिए कार्पोरेट क्षेत्र की तिमाही वृद्धि, कारोबार सेवाएं तथा कम्‍प्‍यूटर समर्थित कार्यकलाप हैं जिनके सूचीबद्ध कंपनियों के उपलब्‍ध आंकड़ों के आधार पर अनुमान लगाया जाता है इस क्षेत्र के अन्‍य संकेतक अर्थात कुल बैंक जमा तथा बैंक ऋणों में वर्ष 2019-20 की क्‍यू 1 के दौरान क्रमश: 10.4 प्रतिशत तथा 11.9 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जबकि 2018-19 की क्‍यू 1 के दौरान यह क्रमश: 6.8 प्रतिशत तथा 10.9 प्रतिशत थी ।

***लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्‍य सेवाएं***

5.8 इस क्षेत्र में बुनियादी मूल्‍यों पर तिमाही सकल मूल्‍य वर्धन 2018-19 की क्‍यू 1 में 7.5 प्रतिशत की तुलना में 2019-20 की क्‍यू 1 में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई । इस क्षेत्र के मुख्‍य संकेतक नामत: ब्‍याज भुगतान में केंद्र सरकार के राजस्‍व व्‍यय निवल में 2018-19 की क्‍यू 1 के 6.0 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2019-20 की क्यू 1 के दौरान 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई । उत्‍पादों पर कर में वृद्धि 2018-19 की क्यू 1 में 10.2 प्रतिशत की तुलना में 2019-20 की क्‍यू 1 में 5.3 प्रतिशत रही ।

**(ख) वर्तमान मूल्‍यों पर अनुमान**

6. वर्ष 2018-19 की प्रथम तिमाही में 45.31 लाख करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 2019-20 की प्रथम तिमाही में वर्तमान मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद में 48.93 लाख करोड़ रुपये का अनुमान लगाया गया है, जो 8.0 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है । वर्ष 2018-19 के प्रथम तिमाही में 41.82 लाख करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही में वर्तमान मूल्यों पर बुनियादी मूल्य पर जीवीए 45.14 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है, जो 7.9 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्शाता है l विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि दर निम्नानुसार है: ‘कृषि, वानिकी और मत्स्यन’ (7.9 प्रतिशत), ‘खनन और उत्खनन’ (5.5 प्रतिशत), ‘विनिर्माण’ (2.0 प्रतिशत), ‘विद्युत्, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगी सेवाएं’ (8.7 प्रतिशत), ‘निर्माण’ (8.6 प्रतिशत), ‘व्यापार, होटल, परिवहन और संचार’ (10.7 प्रतिशत), वित्तीय, रियल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाएं’ (6.4 प्रतिशत), और ‘लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाएं’ (14.0 प्रतिशत) l

**(ग) अपस्‍फीती के तौर पर प्रयुक्‍त मूल्‍य सूचकांक**

7. खाद्य वस्तुएं, खनिजों, विनिर्मित उत्‍पादों, विद्युत और अन्‍य सभी वस्‍तुओं के समूहों के संबंध में, थोक मूल्‍य सूचकांक (डब्‍ल्‍यूपीआई) में वर्ष 2018-19 के प्रथम तिमाही में क्रमशः 1.5 प्रतिशत, 11.0 प्रतिशत, 3.8 प्रतिशत, 5.6 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही के दौरान क्रमशः 6.9 प्रतिशत, 19.4 प्रतिशत, 1.4 प्रतिशत, 0.03 प्रतिशत और 2.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई हैं l वर्ष 2018-19 के प्रथम तिमाही की तुलना में वर्ष 2019-20 की प्रथम तिमाही के दौरान उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है l

**II सकल घरेलू उत्‍पाद पर व्‍यय का अनुमान**

8. सकल घरेलू उत्पाद संबंधी व्यय, उपभोग व्यय तथा पूंजी निर्माण के घटकों को बाजार मूल्यों पर आंका जाता हैं । निम्नलिखित पैराग्राफों में समुच्चय को प्रस्तुत किया गया है l

**निजी अंतिम उपभोग व्यय**

9. वर्तमान मूल्यों पर निजी अंतिम उपभोग व्‍यय वर्ष 2018-19 के प्रथम तिमाही में 26.60 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही में 28.25 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । स्थिर (2011-12) मूल्यों पर, पीएफसीई वर्ष 2018-19 की प्रथम तिमाही में 19.14 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2019-20 की प्रथम तिमाही में 19.74 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के रूप मे, वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही के दौरान वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर पीएफसीई की दरें वर्ष 2018-19 की प्रथम तिमाही में क्रमश: 58.7 प्रतिशत और 56.1 प्रतिशत की तदनुरूपी दरों की तुलना में क्रमशः 57.7 प्रतिशत और 55.1 प्रतिशत अनुमानित है ।

**सरकारी अंतिम उपभोग व्यय**

10. वर्तमान मूल्यों पर वर्ष 2018-19 की प्रथम तिमाही में सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई) 5.41 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही में 6.07 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । स्थिर (2011-12) मूल्यों पर वर्ष 2018-19 के प्रथम तिमाही में जीएफसीई 3.88 लाख करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही में 4.22 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के सन्दर्भ में, वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर वर्ष 2018-19 के प्रथम तिमाही में जीएफसीई की दरें क्रमश: 11.9 प्रतिशत तथा 11.4 प्रतिशत की तदनुरूपी दरों की तुलना में वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही में यह दरें क्रमश: 12.4 प्रतिशत तथा 11.8 प्रतिशत अनुमानित है ।

**सकल नियत पूंजी निर्माण**

11. वर्तमान मूल्यों पर वर्ष 2018-19 के प्रथम तिमाही में सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) 13.59 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही में 14.55 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । स्थिर (2011-12) मूल्यों पर, वर्ष 2018-19 के प्रथम तिमाही में जीएफसीएफ 11.21 लाख करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही में 11.66 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है । जीडीपी के संदर्भ में, वर्तमान तथा स्थिर (2011-12) मूल्यों पर वर्ष 2018-19 के प्रथम तिमाही में जीएफसीएफ की दरें क्रमश: 30.0 प्रतिशत तथा 32.8 प्रतिशत की तदनुरूपी दरों की तुलना में वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही के दौरान यह दरें क्रमश: 29.7 प्रतिशत तथा 32.5 प्रतिशत अनुमानित है ।

12. वर्ष 2017-18, वर्ष 2018-19 तथा वर्ष 2019-20 के लिए आर्थिक कार्यकलापों के प्रकार और जीडीपी संबंधी व्‍यय के अनुसार स्‍थिर (2011-12) और वर्तमान मूल्‍यों के बुनियादी आधार पर जीवीए के अनुमान विवरणी 1 से 4 में दिए गए हैं ।

13. जुलाई-सितम्‍बर, 2019 (2019-20 की क्‍यू 2) के तिमाही जीडीपी अनुमान जारी करने की अगली तारीख 29.11.2019 होगी ।

**विवरण 1: बुनियादी मूल्यों पर जीवीए के तिमाही अनुमान**

**क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2019-20**

**(2011-12 मूल्यों पर)**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| उद्योग | अप्रैल-जून (क्यू 1) | | | | |
| क्यू 1 के बुनियादों मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धन (करोड़ रुपये) | | | पिछले वर्ष की क्यू 1 की तुलना में प्रतिशत बदलाव | |
|  | **2017-18** | **2018-19** | **2019-20** | **2018-19** | **2019-20** |
| 1. कृषि वानिकी एवं मत्स्यन | 404,433 | 424,869 | 433,547 | 5.1 | 2.0 |
| 1. खनन एवं उत्खनन | 95,928 | 96,308 | 98,887 | 0.4 | 2.7 |
| 1. विनिर्माण | 503,682 | 564,815 | 568,104 | 12.1 | 0.6 |
| 1. विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं | 67,876 | 72,437 | 78,682 | 6.7 | 8.6 |
| 5. निर्माण | 242,588 | 265,970 | 281,262 | 9.6 | 5.7 |
| 6. व्यापार, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण से संबंधित सेवाएं | 563,038 | 606,786 | 649,698 | 7.8 | 7.1 |
| 7. वित्तीय, रिएल एस्टेट तथा व्यवसायिक सेवाएं | 728,068 | 775,276 | 821,198 | 6.5 | 5.9 |
| 8. लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाएं | 357,203 | 383,990 | 416,628 | 7.5 | 8.5 |
| **बुनियादी मूल्यों पर जीवीए** | **2,962,815** | **3,190,452** | **3,348,005** | **7.7** | **4.9** |

**विवरण 2: जीडीपी के व्यय संबंधी तिमाही अनुमान**

**क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2019-20**

***(2011-2012 मूल्यों पर)***

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| मद | अप्रैल-जून (क्यू 1) | | | | |
| क्यू 1 के सकल घरेलू उत्पाद के व्यय (करोड़ रुपये) | | | जीडीपी की दरें  (%) | |
|  | **2017-18** | **2018-19** | **2019-20** | **2018-19** | **2019-20** |
| 1. निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) | 1,783,905 | 1,914,259 | 1,974,438 | 56.1 | 55.1 |
| 2. सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई) | 363,763 | 387,599 | 421,893 | 11.4 | 11.8 |
| 3. सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) | 989,620 | 1,121,028 | 1,166,334 | 32.8 | 32.5 |
| 4. स्टॉक में परिवर्तन | 34,802 | 38,245 | 39,039 | 1.1 | 1.1 |
| 5. बहुमूल्य वस्तुएं | 62,728 | 42,303 | 40,863 | 1.2 | 1.1 |
| 6. निर्यात | 633,368 | 697,740 | 737,544 | 20.4 | 20.6 |
| 7. घटाएं: आयात | 777,543 | 863,352 | 899,991 | 25.3 | 25.1 |
| 8. विसंगत्तियां | 71,895 | 76,175 | 105,055 | 2.2 | 2.9 |
| **जीडीपी** | **3,162,537** | **3,413,997** | **3,585,175** | **100.0** | **100.0** |
| **जीडीपी (पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव)** |  | **8.0** | **5.0** |  |  |

**विवरण 3: आधार मूल्यों पर जीवीए के तिमाही अनुमान**

क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2019-20

*(वर्तमान मूल्‍यों पर)*

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| उद्योग | अप्रैल-जून (क्यू 1) | | | | | |
| क्यू 1 के सकल मूल्‍य वर्धन (करोड़ रुपये) | | | पिछले वर्ष की क्यू 1 की तुलना में प्रतिशत बदलाव | | |
|  | **2017-18** | **2018-19** | **2019-20** | | **2018-19** | **2019-20** | |
| 1. कृषि, वानिकी एवं मत्स्ययन | 584,658 | 624,313 | 673,664 | | 6.8 | 7.9 | |
| 1. खनन एवं उत्खनन | 88,212 | 104,736 | 110,485 | | 18.7 | 5.5 | |
| 1. विनिर्माण | 581,965 | 677,419 | 691,088 | | 16.4 | 2.0 | |
| 1. विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं | 106,304 | 119,704 | 130,075 | | 12.6 | 8.7 | |
| 1. निर्माण | 298,669 | 342,766 | 372,180 | | 14.8 | 8.6 | |
| 1. व्यापर, होटल, परिवहन, संचार तथा प्रसारण से सम्बंधित सेवाएं     संबंधित | 675,552 | 763,514 | 845,119 | | 13.0 | 10.7 | |
| 7. वित्तीय, रिएल एस्टेट तथा व्यवसायिक सेवाएं | 882,221 | 988,653 | 1,052,224 | | 12.1 | 6.4 | |
| 8. लोक प्रशासन, रक्षा तथा अन्य सेवाएं | 493,322 | 560,596 | 639,239 | | 13.6 | 14.0 | |
| **बुनियादी मूल्यों पर जीवीए** | **3,710,903** | **4,181,701** | **4,514,074** | | **12.7** | **7.9** | |

**विवरण 4: जीडीपी के व्यय संबंधी तिमाही अनुमान**

**क्यू 1 (अप्रैल-जून) 2017-18..........**

**(वर्तमान मूल्यों पर)**

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| मद | अप्रैल-जून (क्यू 1) | | | | |
| क्यू 1 के सकल घरेलू उत्पाद के व्यय (करोड़ रुपये) | | | जीडीपी की दरें  (%) | |
|  | **2017-18** | **2018-19** | **2019-20** | **2018-19** | **2019-20** | |
| 1. निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) | 2,369,633 | 2,660,328 | 2,825,329 | 58.7 | 57.7 | |
| 2. सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई) | 485,089 | 541,256 | 606,717 | 11.9 | 12.4 | |
| 3. सकल नियत पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) | 1,160,598 | 1,358,745 | 1,454,690 | 30.0 | 29.7 | |
| 4. स्टॉक में परिवर्तन | 39,809 | 45,111 | 47,805 | 1.0 | 1.0 | |
| 5. बहुमूल्य वस्तुएं | 73,678 | 45,964 | 43,276 | 1.0 | 0.9 | |
| 6. निर्यात | 764,061 | 877,750 | 955,993 | 19.4 | 19.5 | |
| 7. *घटाएं*: आयात | 928,583 | 1,073,071 | 1,153,551 | 23.7 | 23.6 | |
| 8. विसंगत्तियां | 58,703 | 74,602 | 112,433 | 1.6 | 2.3 | |
| **जीडीपी** | **4,022,988** | **4,530,685** | **4,892,693** | **100.0** | **100.0** | |
| **जीडीपी (पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत बदलाव)** |  | **12.6** | **8.0** |  |  | |